

Department of History

**Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhhal
(Puari Garhwal)**

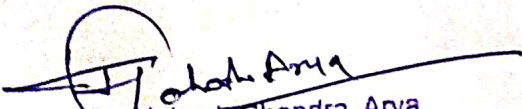
Programme:- B.A. History (Semester Systems)



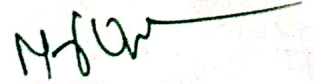
Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)



Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhhal (Pauri Garhwal)



प्राचार्य
भारत सिंह गवत
राजकीय महाविद्यालय रिखणियाखाल
पौड़ी गढ़वाल

HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE SEMESTER SYSTEMS

(कार्यक्रम के परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा सेमेस्टर पाठ्यक्रम

PO 1 जानकारी : छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण, यूरोप में प्रारंभिक व आधुनिक युग के आरंभ के विषय में जानकारी के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं।

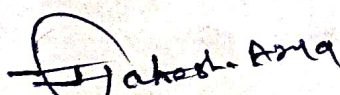
PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है।


PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 5 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति में आकलन करते हैं।

PO 6 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणाखात
पौड़ी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme:- B.A. History (Semester Systems)



Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

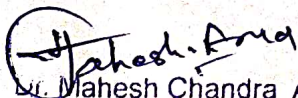
Undergraduate Programme Outcome (POs)

COURSE OUTCOMES (पाठ्यक्रम के परिणाम)

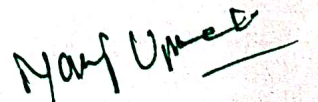
सेमेस्टर पाठ्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर

पेपर प्रथम प्रश्न पत्र भारत का इतिहास (प्रारंभिक समय से 600 ईसा पूर्व तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें इतिहास, अर्थ एवं परिभाषा, प्रकृति एवं प्रासंगिकता, प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें प्रागैतिहासिक काल- पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण काल एवं नवपाषाण काल, ताम्र पाषाण संस्कृति की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें सिंधु घाटी की सभ्यता, समाज, अर्थव्यवस्था, नगर नियोजन एवं विशेषताओं के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें पूर्व एवं उत्तर वैदिक काल, समाज, अर्थव्यवस्था और धार्मिक स्थिति लौह- काल और महापाषाणीय संस्कृति के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।



Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)



प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणाखाल
सौड़ी गढ़वाल

पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (600 ईसा पूर्व से 185 ईसा पूर्व तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें छठी शताब्दी ईसा पूर्व राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति, महाजनपद काल-16 महाजनपद के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें बौद्ध एवं जैन धर्म का उदय, इन की शिक्षाएं, इनका पतन एवं समाज के प्रति इनका योगदान की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें मौर्य साम्राज्य का उदय, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें मौर्य साम्राज्य के पतन के कारणों को समझेंगे।

द्वितीय सेमस्टर

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (185 ईसा पूर्व से 647 ई तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें उत्तर - मौर्य काल, शुंग, सातवाहन, शक, पार्थियन और कुषाण के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें संगम काल- राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और प्रशासनिक व्यवस्था, चेर, चोल, पांड्य, राजवंश का समाज के प्रति योगदान की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें गुप्त साम्राज्य- राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, एवं प्रशासनिक स्थिति, कला और स्थापत्य, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी, फाहियान, एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें हर्षवर्धन प्रशासन एवं उपलब्धियां, समकालीन समय में बौद्ध धर्म, नालंदा विश्वविद्यालय, ह्वेनसांग की जानकारी प्राप्त करेंगे।

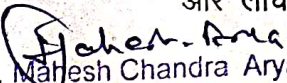
पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (647 ई से 1206 ई तक)

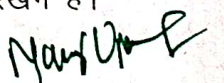
- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें राजपूतों का उद्भव एवं विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें गुर्जर प्रतिहार, पाल और राष्ट्रकूट राजवंश, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति, त्रिपक्षीय संघर्ष की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें पल्लव और चालुक्य राजवंश, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति सुदूर दक्षिण चोल राज वंशों के विषय में को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें विदेशी आक्रमण अरब, गजनवी, और गौरी राजपूतों के पराजय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगे।

तृतीय सेमेस्टर

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1206 ई से 1526 ई तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मध्यकालीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें दिल्ली सल्तनत स्थापना, प्रभाव, एवं विस्तार, ममलूक, खिलजी, तुगलक, सैयद और लोधी राजवंश, इनका प्रशासन, नीतियां और दिल्ली सल्तनत का पतन की जानकारी रखेंगे हैं।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Kikhnikhal (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
बौड़ी गढ़वाल

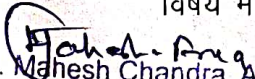
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें भक्ति आंदोलन और सूफीवाद, कारण एवं समाज पर इनका प्रभाव के विषय को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें : बिजयनगर और बहमनी साम्राज्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (1526 ई से 1707 ई तक)
- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगलों का भारत आगमन, बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब इनका प्रशासन और उनके कार्य स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें मुगल और राजपूत मुगलों की धार्मिक नीति मनसबदारी और जागीर प्रथा की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें शेरशाह सूरी, विजय प्रशासन भूमि सुधार को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें मराठा शक्ति का उदय और शिवाजी के पराजय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगे।

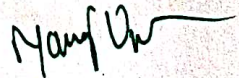
चतुर्थ सेमेस्टर

- पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1707 ई से 1857 ई तक)
- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगल साम्राज्य का पतन और क्षेत्रीय शक्तियों का उदय के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना एवं विस्तार, बंगाल, मैसूर, अवध, मराठा और पंजाब राज्य, सहायक संधि की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें साम्राज्यवादी शासन में अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, भूमि कर व्यवस्था एवं औद्योगिकीकरण आदि के विषय को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें 1857 का विद्रोह कारण, प्रकृति एवं परिणाम की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- पेपर द्वितीय भारत का इतिहास (1858 ई से 1947 ई तक)
- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें विक्टोरिया घोषणा पत्र और 1858 का अधिनियम, राष्ट्रवाद का उदय और विकास के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उद्भव, उदारवादी एवं अतिवादी या उग्रवादी 1909 और 1919 का अधिनियम, होम रूल आंदोलन की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें गांधीवादी आंदोलन- असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो, खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन, गांधी और इरविन समझौता सांप्रदायिक निर्णय और गोलमेज सम्मेलन को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें सांप्रदायिकता और भारत का विभाजन के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगे।

पंचम सेमेस्टर

- पेपर प्रथम प्रश्न पत्र विश्व का इतिहास : (1453 ईसवी से 1688 ईसवी तक)
- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण, यूरोप में प्रारंभिक आधुनिक युग का आरंभ के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।


 Dr. Mahesh Chandra Arya
 IQAC/NAAC Coordinator
 BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
 Rikhnikhil (Pauri Garhwal)


 प्राचार्य
 भारत सिंह रावत
 राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
 पौड़ी गढ़वाल

- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आंदोलन, वाणिज्यवाद, वैज्ञानिक एवं कृषि क्रांति की जानकारी रखेंगे हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें 30 वर्षीय युद्ध, कारण प्रकृति एवं प्रभाव के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इंग्लैंड में गौरवशाली क्रांति 1688 कारण एवं परिणाम के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

द्वितीय पेपर विश्व का इतिहास : (1688 ईसवी से 1815 ईसवी तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें औद्योगिक क्रांति के विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें अमेरिकी क्रांति 1776 कारण एवं परिणाम, मानव के अधिकारों की घोषणा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें फ्रांस की क्रांति 1789 कारण एवं प्रभाव, इस क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका नेशनल असेंबली अथवा राष्ट्रीय सभा, नेशनल कन्वेंशन और फ्रांस में डायरेक्टरी का शासन के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें नेपोलियन बोनापार्ट के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

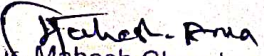
षष्ठम सेमेस्टर

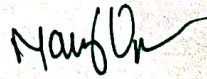
पेपर प्रथम प्रश्न पत्र विश्व का इतिहास : (1815 ईसवी से 1914 ईसवी तक)

- CO 5 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें वियना कांग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था, मैटर निक, 1830 एवं 1848 की क्रांतियों के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 6 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें 1832 के सुधार और इंग्लैंड में चार्टिस्ट आन्दोलनों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 7 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें अमेरिका का गृहयुद्ध के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 8 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इटली का एकीकरण व जर्मनी का एकीकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

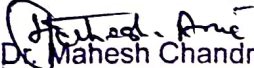
द्वितीय पेपर विश्व का इतिहास : (1914 ईसवी से 1945 ईसवी तक)


- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं प्रभाव व पेरिस शांति सम्मेलन की स्थिति के विषय को समझेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें : रूस की क्रांति 1917 की गतिविधियों की जानकारी रखेंगे।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidyalaya
Rikhnikhil (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
गौड़ी गढ़वाल

- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें फासीवाद और नाजीवाद के विभिन्न सामाजिक आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम व संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidyalaya
Rikhnikhil (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखनीखाल
गौड़ी गढ़वाल

HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE FIFTH & SIXTH SEMESTER (कार्यक्रम के

परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा पंचम और षष्ठम सेमेस्टर

Course Level: Under Graduate (UG) (Semester)

Course Instructor: Dr. Manoj Kishor Nautiyal

Time Allotted: 45 minutes per Lecture

PO 1 जानकारी : छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण , यूरोप में प्रारंभिक व आधुनिक युग के आरंभ

के विषय में जानकारी के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं ।

PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है।

PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 5 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति में आकलन करते हैं।

PO 6 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं ।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
SRB Rajkiya Mahavidyalaya
Rikhnikhhal (Pauri Garhwal)

प्रचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणाखाल
गौडी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhhal

(Puari Garhwal)


Programme:- B.A. History (Yearly Systems)



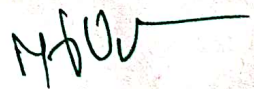
Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

Undergraduate Programme Outcome (POs)



Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhhal (Pauri Garhwal)



प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखान
शौडी गढवाल

SUBJECT HISTORY

PROGRAMME OUTCOMES (POs) UG LABLE (कार्यक्रम के परिणाम पीओ) स्नातक कक्षा

Course Level: Under Graduate (UG) (Annual)

Course Instructor: Dr. Manoj Kishor Nautiyal

Time Allotted: 45 minutes per Lecture

PO 1 जानकारी : छात्रों में अतीत के विषय में एक वैज्ञानिक समझ विकसित करती है जो उन्हें सक्षम बनाती है भारत के इतिहास के साथ-साथ विश्व के इतिहास को भी समझते हैं

PO 2 समस्या विश्लेषण: छात्र अतीत की एक तार्किक समझ विकसित करते हैं जो उन्हें वर्तमान सामाजिक समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भ में समझने में सक्षम बनाता है। छात्र मानव अतीत के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संरचनाओं की उत्पत्ति और विकास की गहन जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 3 ऐतिहासिक अनुसंधान: अतीत से संबंधित विभिन्न और विविध मुद्दों के बारे में जानकारी उत्पन्न करने के लिए ऐतिहासिक शोध विधियों का उपयोग करते हैं।

PO 4 संरक्षण और परिरक्षण: हिमालयी क्षेत्र की कला, संस्कृति और विरासत का संरक्षण और परिरक्षण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 5 आधुनिक तरीकों का उपयोग: उपयुक्त तरीकों, तकनीकों, संसाधनों का चयन कर उन्हें ऐतिहासिक ज्ञान के सृजन और प्रसार के लिए आधुनिक आईटी उपकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

PO 6 इतिहास और समाज: मानव अतीत के समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सांस्कृतिक और राजनीतिक और अन्य संबंधित की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हैं।

समस्याएँ

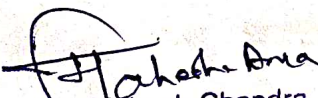
PO 7 करियर की संभावनाएं: विभिन्न विषयों के लिए विषय के महत्व को समझते हुये उन्हें सक्षम बनाते हैं।

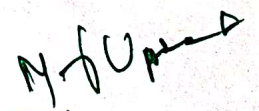
प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

PO 8 व्यक्तिगत और टीम वर्क: एक व्यक्ति के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य उन्हें सक्षम बनाते हैं।

PO 9 संचार: ऐतिहासिक शोध के परिणामों को लेखन के माध्यम से समझते हैं।

PO 10 जीवन भर सीखने की आवश्यकता को पहचानें और आलोचनात्मक मूल्यांकन की क्षमता को बनाते हुये, मानव अतीत की बेहतर समझ के लिए अतीत का विश्लेषण करते हैं।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalay,
Rikhnikhil (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भास्त सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
शौड़ी गढ़वाल

Department of History

Bharat Singh Rawat Rajkiya Mahavidhyalya Rikhnikhal

(Puari Garhwal)

Programme:- B.A. History (Yearly Systems)


Course Instructor- Dr. MANOJ KISHOR NAUTIYAL

Time Alloted- 45 minute per lecture

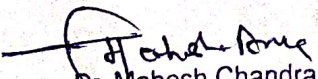
Undergraduate Programme Outcome (POs)


COURSE OUTCOMES (पाठ्यक्रम के परिणाम)

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

पेपर प्रथम (भारत का इतिहास) (प्रारंभिक समय से 185 ईसा पूर्व तक)

- CO1 इकाई प्रथम छात्र प्रारंभिक भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रम को आकार देने वाली ताकतों और कारकों की पहचान करने में सक्षम होंगे। छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन के लिए विभिन्न श्रेणियों के स्रोतों के बारे में एक महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करेंगे।
- CO2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें आदि मानव के उद्भव, विकास एवं संग्रहकर्ता के रूप से भिन्न होंगे।
- CO3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें सिंधु सभ्यता और उनके समाज, आर्थिक व शहरीकरण की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें वैदिक कालीन समाजिक, आर्थिक, राजनितिक कारणों को व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी रखेंगे।


Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalay
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

- CO5 इकाई पंचम ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में छात्र छात्रायें छठवीं शताब्दी के भारत की धार्मिक व राज्यों के उत्थान और पतन की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- CO6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें बौद्ध और जैन धर्मों का समाज के प्रति योगदान को समझेंगे।
- CO7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें मौर्य साम्रज्य के विभिन्न आयामों व अशोक के धम्म को समझेंगे।
- CO8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें मौर्य साम्रज्य के पतन के कारणों को समझ सकेंगे।

द्वितीय पेपर (भारत का इतिहास) (185 ईसा पूर्व से 1206 ईस्वी तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मौर्योत्तर काल जिनमें मुख्य रूप से शुंग, सातवाहन, शक पार्थियन और कुषाणों के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें संगम कालीन समाजिक, आर्थिक, राजनितिक व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी रखेंगे जिनमें मुख्यरूप से चोल,चेर और पाण्ड्य राजवंश हैं।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें गुप्त साम्राज्य- राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, एवं प्रशासनिक स्थिति, कला और स्थापत्य कला, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें हर्षवर्धन प्रशासन एवं उपलब्धियां, समकालीन समय में बौद्ध धर्म, नालंदा विश्वविद्यालय, हेनसांग के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें राजपूतों का उद्भव एवं विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें गुर्जर प्रतिहार, पाल और राष्ट्रकूट राजवंश, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति, त्रिपक्षीय संघर्ष की गतिविधियों की जानकारी रखेंगे।
- CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें पल्लव और चालुक्य राजवंश, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति के विभिन्न आयामों को समझेंगे।

CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें विदेशी आक्रमण अरब, गजनवी, और गौरी राजपूतों के पराजय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगे।

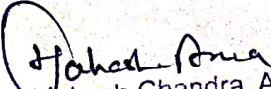
बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

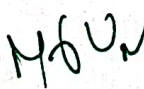
प्रथम पेपर प्रश्न पत्र भारत का इतिहास (1206 ईस्वी से 1707 ईस्वी तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मध्यकालीन भारतीय इतिहास के अध्ययन के स्रोतों के बारे में एक महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में छात्र छात्रायें दिल्ली सल्तनत स्थापना, प्रभाव, एवं विस्तार, ममलूक, खिलजी, तुगलक, सैयद और लोधी राजवंश इनका प्रशासन, नीतियां और दिल्ली सल्तनत का पतन की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें भक्ति आंदोलन और सूफीवाद, कारण एवं समाज पर इनका प्रभाव को समझ सकेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें बिजयनगर और बहमनी साम्राज्य के धार्मिक व गतिविधियों की जानकारी रखेंगे।
- CO 5 इकाई पंचम में मुगलों का भारत आगमन, बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब इनका प्रशासन और उनके कार्य व पतन के कारणों को समझ सकेंगे।
- CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें मुगल और राजपूत मुगलों की धार्मिक नीति मनसबदारी और जागीर प्रथा का समाज के प्रति योगदान को समझेंगे।
- CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें शेरशाह सूरी, विजय प्रशासन और भूमि सुधार को समझेंगे।
- CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें मराठा शक्ति का उदय और शिवाजी के पतन के कारणों को समझ सकेंगे।

द्वितीय पेपर प्रश्न पत्र विश्व का इतिहास: (1453 ईसा से 1815 ईसवी तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें सामंतवाद का पतन एवं पतन के कारण, यूरोप में प्रारंभिक आधुनिक युग का आरंभ के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें से. पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आंदोलन, वाणिज्यवाद, वैज्ञानिक एवं कृषि क्रांति की जानकारी रखेंगे हैं।


Dr. Wahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)


प्राचार्य
मास्त सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
श्रीडी गढवाल

- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें 30 वर्षीय युद्ध, कारण प्रकृति एवं प्रभाव के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इंग्लैंड में गौरवशाली क्रांति 1688 कारण एवं परिणाम के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें औद्योगिक क्रांति के विकास, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें अमेरिकी क्रांति 1776 कारण एवं परिणाम, मानव के अधिकारों की घोषणा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें फ्रांस की क्रांति 1789 कारण एवं प्रभाव, इस क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका नेशनल असेंबली अथवा राष्ट्रीय सभा, नेशनल कन्वेंशन और फ्रांस में डायरेक्टरी का शासन के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें नेपोलियन बोनापार्ट के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

पेपर प्रथम भारत का इतिहास (1707 से 1947 ईसवी तक)

- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें मुगल साम्राज्य के पतन और क्षेत्रीय शक्तियों के उदय के कारण की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना एवं विस्तार, बंगाल, मैसूर, अवध, मराठा, और पंजाब राज्य, सहायक संधि के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें साम्राज्यवादी शासन में अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, भूमि कर व्यवस्था एवं औद्योगिकीकरण आदि व उनसे पर होने वाले परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें 1857 का विद्रोह कारण, प्रकृति एवं परिणाम की


जानकारी रखेंगे।
 Dr. Mahesh Chandra Arya
 IQAC/NAAC Coordinator
 SR Rajkiya Mahavidyalaya
 Rikhnikhil (Pauri Garhwali)


प्राचार्य
 भारत सिंह रावत
 राज्यीय महाविद्यालय रिखणीखाल
 शौड़ी गढ़वाल

- CO 5 इकाई पंचम : विक्टोरिया घोषणा पत्र और 1858 का अधिनियम, राष्ट्रवाद का उदय और विकास प्रक्रिया को समझ सकेंगे
- CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उद्भव, उदारवादी एवं अतिवादी या उग्रवादी 1909 और 1919 का अधिनियम, होम रूल आन्दोलनों का समाज के प्रति योगदान को समझेंगे।
- CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें गांधीवादी आंदोलन- असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो, खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन, गांधी और इरविन समझौता सांप्रदायिक निर्णय और गोलमेज सम्मेलन को समझेंगे।
- CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें : सांप्रदायिकता और भारत विभाजन के कारणों को समझ सकेंगे।

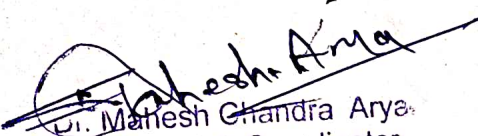
द्वितीय पेपर विश्व का इतिहास (1815 ईसवी से 1945 ईसवी तक)


- CO 1 इकाई प्रथम में छात्र छात्रायें : वियना कांग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था, मैटर निक, 1830 एवं 1848 की क्रांतियों के विषय में जानकारी रखेंगे।
- CO 2 इकाई द्वितीय छात्र छात्रायें 1832 के सुधार और इंग्लैंड में चार्टिस्ट आन्दोलनों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 3 इकाई तृतीय में छात्र छात्रायें अमेरिका का के गृहयुद्ध के विभिन्न आयामों को समझेंगे।
- CO 4 इकाई चतुर्थ में छात्र छात्रायें इटली का एकीकरण व जर्मनी का एकीकरण के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- CO 5 इकाई पंचम में छात्र छात्रायें प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं प्रभाव व पेरिस शांति सम्मेलन की स्थिति के विषय को समझेंगे।
- CO 6 इकाई छठवीं में छात्र छात्रायें : रूस की क्रांति 1917 की गतिविधियों की जानकारी रखेंगे।


 Dr. Mahesh Chandra Arya
 IQAC/NAAC Coordinator
 BSR Rajkiya Mahavidyalaya
 Rikhnikhil (Pauri Garhwal)


 प्राचार्य
 भारत सिंह रावत
 राजकीय महाविद्यालय रिखणाखाल
 गौड़ी गढ़वाल

- CO 7 इकाई सातवीं में छात्र छात्रायें फासीवाद और नाजीवाद के विभिन्न सामाजिक आयामों को समझेंगे।
- CO 8 इकाई आठवीं में छात्र छात्रायें द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम व संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।


Dr. Manish Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Gairwal)


प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
गौड़ी गढवाल